CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 163 □ रायपुर, सोमवार 6 जुलाई 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

भारत के लिए बड़ी राहतः होर्मुज से यूरिया-डीएपी से लदे 15 जहाज सुरक्षित रवाना, गैस सप्लाई भी पूरी तरह बहाल

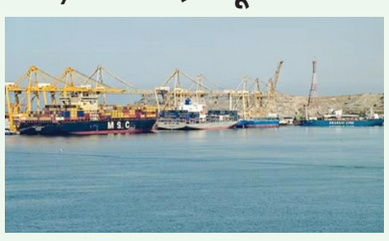

नई दिल्ली, 6 जुलाई (न्यूज चैनल)। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच भारत के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। केंद्र सरकार ने बताया है कि उर्वरक और कच्चा माल लेकर आने वाले 15 जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं और भारत की ओर बढ़ रहे हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, इन जहाजों के सुरक्षित निकलने से देश में उर्वरकों की आपूर्ति पर तत्काल किसी बड़े संकट की आशंका नहीं है। सरकार ने किसानों की जरूरतों को देखते हुए पर्याप्त भंडारण और वितरण की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर ली है। मंत्रालय के मुताबिक, भारत की ओर आ रहे 15 जहाजों में 8 जहाजों में 3.32 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 4 जहाजों में 2.57 लाख मीट्रिक टन डाइ-अमोनियम फॉस्फेट, 3 जहाजों में 1.11 लाख मीट्रिक टन सल्फर लोड किया गया है। इसके अलावा पांच और जहाज भी भारत के लिए रवाना होने वाले हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर वैश्विक सप्लाई चेन पर पड़ा है। इसके कारण उर्वरकों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और समुद्री शिपमेंट में भी देरी देखी गई है।

पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का एलान, 24 जुलाई को होगी वोटिंग और मतगणना

नई दिल्ली, 6 जुलाई (न्यूज चैनल)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। आयोग के अनुसार, इन सीटों पर 24 जुलाई 2026 को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे मतगणना भी कराई जाएगी। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत 7 जुलाई को अधिसूचना जारी होगी, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई तय की गई है। 15 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 17 जुलाई तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव प्रक्रिया 27 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद पूर्व सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस में बड़ा सियासी उठापटक देखने को मिली है। इसकी शुरुआत विधानसभा से हुई और राज्यसभा से होते हुए लोकसभा तक पहुंची। पार्टी के राज्यसभा सदस्यों की बात करें तो, सबसे पहल 8 जून को पार्टी के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद शुखेंदु रॉय शेखर ने अपने पद और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दिया। इसके बाद 10 जून को सुष्मिता देव ने निजी कारणों से इस्तीफा सौंपा फिर इसके एक दिन बाद 11 जून को राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक ने भी पद का त्याग किया था।

प्रदेश में घनघोर बारिश से हाल-बेहाल, रायपुर समेत कई जिलों में जलभराव, 40 किमी की स्पीड से चलेंगी हवाएं

- बिलासपुर में बिजली गिरने से एक किसान की मौत
- कांकेर में भारी बारिश के चलते 35 गांव टापू में तब्दील

- छह प्रमुख जिलों रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, महासमुंद और धमतरी के लिए रेड अलर्ट

रायपुर, 6 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में मानसून पूरी तरह एक्टिव है और राज्य के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है. भारी बारिश के कारण राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में जलभराव हो गया है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है. छत्तीसगढ़ में मानसून के रौद्र रूप के चलते मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी बारिश का रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा, बालोद और महासमुंद समेत कई इलाकों में लगातार मूसलाधार बारिश से सड़कों और निचले इलाकों में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। कई क्षेत्रों में जलभराव, नदियां उफान पर हैं। कांकेर में भारी बारिश के चलते 35 गांव टापू में बदल गए हैं. यहां लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि रायपुर समेत राज्य के कई जिलों में पिछले 48 घंटों से लगातार बारिश हो रही है. भारी बारिश की वजह से कई शहरों और रिहायशी इलाकों में जलभराव हो गया है. रायपुर के टाटीबंध समेत कई निचले इलाकों में घरों और सड़कों पर पानी भर गया है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है. भारी बारिश का असर अलग-अलग जिलों में देखा गया है. बिलासपुर में बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई, जबकि भिलाई में लगातार बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों की सड़कें पूरी तरह पानी में डूब गईं।

मौसम विभाग ने राज्य के छह प्रमुख जिलों रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, महासमुंद और धमतरी के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. इन इलाकों में तेज आंधी-तूफान और बिजली गिरने के साथ-साथ बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. इसके अलावा इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज और विनाशकारी हवाएं भी चल सकती हैं. रेड अलर्ट के साथ-साथ राज्य के कई अन्य हिस्सों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट भी जारी किए गए हैं. इधर राजधानी और आसपास के इलाकों में पिछले 36 से 48 घंटों से लगातार बारिश हो रही है, जिससे मुख्य मार्ग तालाब में तब्दील हो गए हैं और कॉलोनियों में पानी भर गया है। वहीं दुर्ग में 1970 का रिकार्ड टूट गया है। 181 मिमी बारिश हुई है। राजधानी में भी 5 जुलाई को 154.4 मिमी बारिश हुई। यह एक्ट्रीम बारिश का चौथी हैवी रेन है। राजिम में 190 मिनी., छुरा में 160, पाटन में 150, गोबरा नवापारा और माना रायपुर एयरपोर्ट में 140, अर्जुन्दा में 130, लभांडी और गुंडरदेही में 120-120, भिलाई में 110, कोमाखान और मर्री बंगला देवरी में 100-100 मिमी बारिश हुई। अन्य अधिकांश जगहों पर मध्यम से भारी बारिश रिकार्ड दर्ज की गई। प्रदेश के सभी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई है।

दुर्ग जिले में 1970 का रिकॉर्ड टूटा, 181 मिमी बारिश हुई

मौसम विभाग ने लोगों से की अपील

लगातार हो रही भारी बारिश के कारण राजधानी रायपुर समेत कई शहरी और ग्रामीण इलाकों में भारी जलभराव हो गया है और सड़कें तालाब जैसी हो गई हैं. मौसम वैज्ञानिकों और स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान वे घरों के अंदर ही रहें, अनावश्यक यात्रा से बचें और बिजली गिरने के खतरे को देखते हुए खुली जगहों या पेड़ों और बिजली के खंभों के पास खड़े न हों।

मुंबई में चॉल गिरने से छह की मौत आईएमडी ने जारी किया रेड अलर्ट

नई दिल्ली, 6 जुलाई (न्यूज चैनल)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के मानखुर्द इलाके में चॉल गिरने की घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले छह लोगों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। यह हादसा रविवार रात भारी बारिश के बीच मंडाला इलाके में हुआ, जब तीन मंजिला चॉल का एक हिस्सा अचानक ढह गया। अधिकारियों के अनुसार, रात करीब 8:30 बजे भवन की दो से तीन रिहायशी इकाइयां गिर गईं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ढही हुई इमारत पास की एक झोपड़ी पर भी जा गिरी। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग ने इन इलाकों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश, 70 से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और आंधी-तूफान की चेतावनी दी है। मौसम में अचानक बदलाव को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट को रेड अलर्ट में बदला गया। आईएमडी के मुताबिक, लगातार बारिश से निचले इलाकों में जलभराव, फ्लैश फ्लड, नदियों का जलस्तर बढ़ने और भूस्खलन का खतरा है। तेज हवाओं से पेड़ उखड़ सकते हैं, पुराने और जर्जर भवनों को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं, कोंकण तट पर समुद्र में ऊंची लहरें और खराब मौसम रहने की संभावना है, जिससे सड़क, रेल, हवाई और फेरी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। वही, बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने लोगों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने, पेड़ों, जर्जर इमारतों, बिजली के खंभों और होर्डिंग्स से दूर रहने की अपील की है।

गड्ढे में भरा था बारिश का पानी डूबने से मासूम भाई-बहन की मौत

राजिम/गरियाबंद, 6 जुलाई (हाईवे चैनल)। गरियाबंद जिले के नगर पंचायत कोपरा में रविवार को एक दिल दहला देने वाले हादसे में दो मासूम बच्चों की घुरवा (गड्ढे) में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। इतिहास जानकारी के अनुसार, कोपरा निवासी बिसेलाल साहू के 5 से 6 वर्षीय पुत्र योगेश साहू और पुत्री खुशबू साहू की घुरवा गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। घुरवा में करीब 10 से 12 फीट तक पानी भरा हुआ था, जिसमें खेलने के दौरान दोनों बच्चे डूब गए और दोनों ने दम तोड़ दिया। जब परिजनों ने बच्चों की तलाश की तो वह नहीं मिले कुछ देर बाद उनकी लाश घुरवा में पाई गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पांडुका पुलिस भी घटनास्थल पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए राजिम भेज दिया है।

26 करोड़ की ओवरब्रिज में आई दरारें निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठे सवाल

राजनांदगांव, 6 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के ग्राम बरगा के समीप दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा करीब 26 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ओवरब्रिज पहली ही बारिश में दरकने लगा है। इस ब्रिज का उद्घाटन जून में ही हुआ है। उद्घाटन के महज कुछ सप्ताह बाद ही पुल में बड़ी दरारें दिखाई देने से निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज बीच से दो हिस्सों में बंटता नजर आ रहा है, जिससे हादसे की आशंका बढ़ गई है। यह ओवरब्रिज क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों के लिए आवागमन का प्रमुख मार्ग है। ऐसे में पुल में आई दरारों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने पुल की तत्काल तकनीकी जांच कर दोषी एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई और मरम्मत की मांग की है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माण कार्य की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं रही। पहली ही बारिश में पुल की स्थिति बिगड़ने से सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

तीन देशों के दौरे पर रवाना हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली, 6 जुलाई (न्यूज चैनल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की उनकी यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी, महासागर विज़न और एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मज़बूत करेगी। 6-11 जुलाई तक तीन देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले अपने बयान में मोदी ने कहा कि यह यात्रा इन तीनों देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों में बनी मज़बूत गति को और आगे बढ़ाएगी। मोदी ने बयान में कहा, पूर्वी और दक्षिणी हिंद महासागर में क्रमशः इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया, और उसके बाद न्यूज़ीलैंड की मेरी यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी, महासागर विज़न और साथ ही स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक के प्रति हमारे नज़रिए को और मज़बूत करेगी। महासागर यानी Mutual and Holistic Advancement for Security Across the Regions (क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए आपसी और समग्र विकास), सभी क्षेत्रों की सुरक्षा और विकास के लिए भारत का विज़न है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर 6-8 जुलाई तक इंडोनेशिया से अपनी यात्रा शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, 2018 में इंडोनेशिया की मेरी पहली यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों के इस स्तर पर पहुंचने के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी और यह यात्रा जनवरी 2025 में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रपति प्राबोवो की भारत की राजकीय यात्रा के बाद हो रही है। उन्होंने कहा, भारत और इंडोनेशिया के बीच मज़बूत सभ्यतागत और लोगों के बीच संबंध हैं, और मेरी यात्रा हमारी बहुआयामी साझेदारी के सभी पहलुओं को और गहरा करेगी।

28 साल का सफर: जिला बनने के बाद भी विकास की दौड़ में पीछे छूटा धमतरी

आशीष मिन्नी

- शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नहीं हो पाई अपेक्षित प्रगति
- 6 जुलाई 1998 को तत्कालीन रायपुर जिले से अलग कर धमतरी को बनाया गया था स्वतंत्र जिला

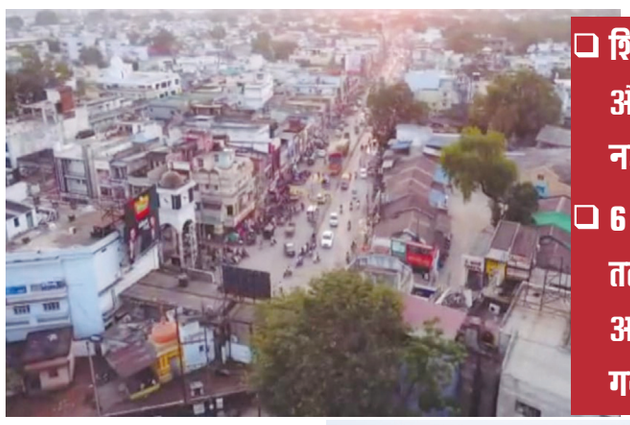

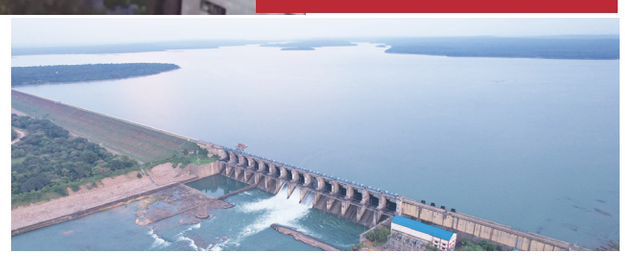

धमतरी, 6 जुलाई (हाईवे चैनल)। आज धमतरी जिले के गठन के 28 वर्ष पूर्ण हो गए। 6 जुलाई 1998 को तत्कालीन रायपुर जिले से अलग कर धमतरी को स्वतंत्र जिला बनाया गया था। जिले के गठन का उद्देश्य प्रशासनिक सुविधा के साथ-साथ क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देना था।

करीब तीन दशक बीत जाने के बाद भी धमतरी आज शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, औद्योगिक विकास और आधारभूत सुविधाओं जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपेक्षित उपलब्धियां हासिल नहीं कर पाया है। जिले के नागरिकों का मानना है कि प्राकृतिक संसाधनों, कृषि क्षमता और पर्यटन की अपार संभावनाओं के बावजूद विकास की रफ्तार उम्मीद के अनुरूप नहीं रही। हालांकि, इन 28 वर्षों में जिले में सड़क, सिंचाई, पेयजल, कृषि और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में कई सकारात्मक परिवर्तन भी हुए हैं। महानदी के उद्गम स्थल सिहावा, गंगरेल जलाशय तथा प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के कारण धमतरी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। हाल के वर्षों में कृषि नवाचार और कार्बन फार्मिंग जैसी नई पहलों की भी शुरुआत हुई है। वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद धमतरी ने विकास की रफ्तार पकड़ी, लेकिन रफ्तार अन्य जिलों की तुलना में धीमी ही रही।

डाक्टरों की कमी से शासकीय स्वास्थ्य सुविधाओं की बिगड़ी सेहत: स्वास्थ्य सेवाओं की बात करें तो जिला अस्पताल सहित सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा स्वास्थ्य कर्मियों की कमी लंबे समय से बनी हुई है। मरीजों को बेहतर इलाज के लिए रायपुर का रुख करना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त लागत उठानी पड़ती है। वहीं बीते 28 वर्षों में जिले में प्राईवेट हेल्थ सेक्टर काफी तेजी आई है कई निजी अस्पताल खुले जहां मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधा मुहैय्या कराई जा रही है। वहीं शासकीय सेंटरो में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास हुआ है, लेकिन डाक्टरों की कमी अभी भी खल रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में नहीं हो पाया अपेक्षित ग्रोथ: शिक्षा के क्षेत्र में भी जिले को अभी लंबा सफर तय करना है। उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के सीमित अवसरों के कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को रायपुर, दुर्ग, भिलाई और अन्य शहरों में जाना पड़ता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थानों और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है। बीते 28 वर्षों में जिले में कई अवसर पर मेडिकल इंजीनियरिंग व रोजगार परख कोर्स शुरु करने की मांग हुई, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। शिक्षण सुविधाओं के मामले में जिले की स्थिति ठीक नहीं मानी जाती है।

सीमित रोजगार के अवसर : रोजगार के मोर्चे पर भी स्थिति संतोषजनक नहीं मानी जाती। जिले में बड़े उद्योगों का अभाव होने के कारण युवाओं को रोजगार के लिए अन्य जिलों और राज्यों की ओर पलायन करना पड़ता है। स्थानीय स्तर पर उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और लघु-मध्यम उद्यमों के विस्तार की मांग लंबे समय से उठती रही है। जिला कृषि प्रधान है यहां जल जंगल जमीन पर्याप्त है। फिर भी आज तक बड़े उद्योगों की स्थापना नहीं हो पाई। उद्योग के नाम पर जिले में सिर्फ राईस मिल है। पहले टिम्बर व्यवसाय भी जिले की पहचान हुआ करती थी, वहीं भी अब काफी सीमित हो चुका है। वनो का व्यापार भी बढ़ने के बजाये घटता जा रहा है।

बायपास की मिली सौगात बड़ी रेल की बारी: दशको से धमतरी वासी बायपास व बड़ी रेल लाईन की मांग करते रहे। आखिरकार धमतरी को बायपास की सौगात मिल चुकी है। जिससे शहर के भीतर पानी वाहनों का दवाब कम हुआ है। वहीं अब धमतरी से रायपुर तक बड़ी रेल लाईन का इंतजार भी खत्म होने वाला अलगे कुछ महीनों में ही लोगो को बड़ी रेल लाईन की सौगात मिल पायेगी।

पर्यटन में है अपार संभावनाएं: धमतरी जिले को प्रकृति ने संसाधनों से सम्पन्न किया है। यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं है। यहां की सिंचाई व पर्यटन व्यवस्था को मजबूत करने में गंगरेल (रविशंकर सागर) बांध, माडमसिल्ली, सोंढूर और दूधावा परियोजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन परियोजनाओं से कृषि को बढ़ावा मिला और पेयजल व औद्योगिक जलापूर्ति भी सुदृढ़ हुई। साथ ही पर्यटन के क्षेत्रे में भी विकास हुआ, लेकिन अब तक सिर्फ गंगरेल बांध में पर्यटन को बढ़ावा मिल पाया है। शेष बांधो में पर्यटन को बढ़ावा नही मिल पाया है। अब कलेक्टर अबिनाश मिश्रा जिले के धार्मिक व पर्यटन स्थलो कों विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे है। जिसमें रामवनगमन क्षेत्र, रुद्रेश्वर घाट कॉरिडोर, नगरी सिहावा क्षेत्र के कई पौराणिक स्थल शामिल है।

मलाईदार पोस्टिंग पर चला डंडा, बीजापुर जिले में 74 शिक्षक-कर्मचारियों का अटैचमेंट रद्द, अब वापस स्कूलों में लौट रहे

बीजापुर, 6 जुलाई (हाईवे चैनल)। शिक्षा विभाग की मलाईदार पोस्टिंग पर प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। कलेक्टर के आदेश पर जिले के 74 शिक्षकों, लिपिकों और भृत्यों का संलग्नीकरण तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया गया है। अब सभी को अपने मूल स्कूल और संस्थाओं में जाकर ड्यूटी जॉइन करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। राज्य शासन के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। पिछले कई सालों से बड़ी संख्या में शिक्षक और स्टाफ डीईओ कार्यालय, बीईओ कार्यालय, बीआरसी, मंडल संयोजक कार्यालय, जनपद पंचायत, आदिवासी विकास विभाग और विधायक कार्यालय जैसी गैर-शैक्षणिक जगहों पर अटैच थे। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पाण्डेय ने बताया कि वर्षों पुरानी अटैचमेंट खत्म करने का मकसद स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करना और पढ़ाई व्यवस्था को मजबूत बनाना है। अटैचमेंट खत्म होने से दूर-दराज और अंदरूनी इलाकों के स्कूलों में स्टाफ की कमी दूर होगी। अब तक ऑफिसों में बैठे ये कर्मचारी वापस कक्षाओं में पहुंचेंगे। इसके अलावा आदेश में कई अन्य शिक्षक-कर्मचारियों के नाम भी शामिल हैं जिन्हें मूल विद्यालयों में भेजा गया है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ सरकार के संलग्नीकरण समाप्त करने वाले बड़े अभियान का हिस्सा है।

CMYK